

कार्यालय भूमि सुधार उप समाहर्ता, बगोदर-सरिया (गिरिडीह)

ललन किशोर प्रसाद बनाम् विजय विश्वकर्मा

अपील वाद संख्या...../2021-22

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

9.10.21

आवेदक ललन किशोर प्रसाद पिता स्व0 गोखुल प्रसाद, साकिन-केशोडीह, थाना- बिरनी, जिला- गिरिडीह द्वारा जमाबंदी रद्द वाद के तहत आवेदन देकर विजय विश्वकर्मा पिता स्व0 बोधी मिस्त्री साकिन- केशोडीह थाना बिरनी जिला गिरिडीह के नाम से निम्नलिखित भूमि का जमाबंदी को निरस्त करने का अनुरोध किया गया है।

**भूमि का विवरण**

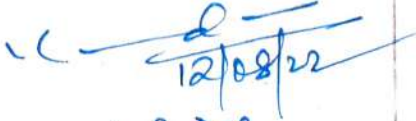
मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा
केशोडीह	78	139	1 एकड़ 34 डी0

अतः उभय पक्षों को नोटिश निर्गत करते हुए अभिलेख दिनांक 20/10/2021 ..... को रखें।

9/10/21  
भूमि सुधार उपसमाहर्ता  
बगोदर-सरिया।

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
12/08/22	<p style="text-align: center;"><u>आदेश.</u></p> <p>आदेश हेतु अभिलेख उपस्थापित।</p> <p>प्रश्नागत वाद (अपील) अंचल अधिकारी, बिरनी द्वारा नामांतरण वाद सं० - 508/11-12 एवं 509/11-12 में पारित आदेश के विरुद्ध हारिकल किया गया।</p> <p>अपीलकर्ता के अक्षर प्रश्नागत भूमि ग्राम - केशोडीह धाना - बिरनी में स्थित खाना - 78, एमए - 139, कुल रकबा - 1.34 एकड़ है, जो सर्वे खतियान के अनुसार खतियानी रैथन बेनी लाल है। खतियानी रैथन अपीलकर्ता के पूर्वज हैं। खतियानी रैथन की कृषि के पश्चात् उनके पक्ष प्रय खानगी के द्वारा कर दिहसा के अनुसार दखल कार हुये। <del>प्रथम पक्ष एक ही रैथन के</del> <del>अंशक है।</del> विपत्ती गठा ने खतियानी रैथन के सभी रैथनों की सहमति के बिना खारी भूमि का केवाला कर नामान्तरण करवा लिए। अपीलकर्ता का आरोप कहना है कि विपत्ती स्वीकार करते हैं कि खतियानी</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>रूयत के वंशज चार भाई हैं, परन्तु केवाला मात्र तीन भाईयों से सम्पूर्ण जमीन का करवा लेते हैं। अतः नामांतरण बाद सं० 508/11-12 एवं 509/11-12 में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।</p> <p>डिप्टी पक्ष के द्वारा लिखित एवं मौखिक रूप से अपना पक्ष रखा गया। डिप्टी पक्ष के विश्व अधिकारी द्वारा Bihar Tenant's Holdings (Maintenance of Records) Act, 1973 के धारा - 14, 15 के अंतर्गत बाद की Maintainability पर प्रश्न उठाया गया। अपीलकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा - 14 के अंतर्गत अंचल अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध धारा - 15 में अपील का प्रावधान है, परन्तु अपीलकर्ता द्वारा अंचल अधिकारी द्वारा पारित आदेश की प्रति दायित्व नहीं किया गया है तथा नामांतरण के लगभग 11 वर्षों के बाद बाद दायर किया गया है, जो विचारनीय नहीं हो सकता है।</p>	

क्र. सं. और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्यवाही के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>उमयपत्तों द्वारा दाखिल दस्तावेजों का अवलोकन किया। उमयपत्तों के दलील बुनने के पश्चात् द्वितीय पक्ष के द्वारा रखे जाये बिन्दुओं से सहमत होने हुये इस अपील को अस्वीकृत किया जाता है।</p> <p>वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p> <p style="text-align: right;">             12/08/22            LR De            Bagodar - Suriya         </p>	